## No.A. 43020/49/2014-RTI Government of India/ Bharat Sarkar Ministry of Home Affairs/ Grih Mantralaya \*\*\*\*\*\*

New Delhi, Dated 紀代May, 2014.

## **ORDER**

Subject: - First Appeal under the RTI Act, 2005 filed by Shri pradeep Kumar.

\*\*\*\*\*

Whereas Shri Pradeep Kumar, vide his application dated 26/12/2013 (received in this Ministry on 10/01/2014) had sought information from the Ministry of Home Affairs under the RTI Act, 2005.

- 2. Whereas as per RTI Act, 2005 and Right to Information (Regulation of Fee & Cost) Rules, a request for obtaining information under sub-section (1) of section 6 of RTI Act, 2005, shall be accompanied by an application fee of Rupees Ten either by way of eash against proper receipt or by Demand Draft or Bankers Cheque or Indian Postal Order payable to the Accounts Officer of the Public Authority from where information is sought.
- 3. Whereas the Indian Postal Order for Rs.10/- furnished by Shri Pradcep Kumar along with his RTI application was not payable to the correct authority i.e. "Accounts Officer, Ministry of Home Affairs". Hence, the application was returned to the applicant along with the original IPO (No.201 751577) by the CPIO vide his communication dated 27<sup>th</sup> February, 2014.
- 4. Whereas Shri Pradeep Kumar was also informed that the information sought in the application does not come under the purview of the Ministry of Home affairs. Since the subject matter of application related to the University Grants Commission, he was requested to obtain the information directly from them. In view of the above, the question of filing 1<sup>st</sup> Appeal does not arise.
- 5. However, a copy of his RTl application and appeal is being sent to the UGC for supplying information to him.

\$ \\ \frac{\frac{1}{2}}{2}

Contd...page 2/-

5. The appeal of the appellant is accordingly disposed of.

(Satpal Chauhan)

Joint Secretary & Appellate Authority

Ph. No.23093178

Shri Pradeep Kumar. Village & P.O Kharidanwa, Sub-Division Shahbad Markanda, Kurukshetra (Haryana) – 136135

## Copy to:

- 1. CPIO. University Grants Commission, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 along with a copy of RTI application and appeal of Shri Pradeep kumar.
- 2. Section Officer(IT Cell), MHA for uploading of RTI application, appeal and reply under the concerned Appellate Authority with search facility based on key words in the MHA website under the heading RTI Act-Information under 4(1)(b) of the Act.

## क्रिंग जन सूचना अधिकारी. अधिवरीक गृह मन्मारम नमर सरकार गह विल्ली

विषय: - सूचना अधिकार कानून -2005 के तहत आवेदन ।

महोदय. िशंसा विभाग के अविविद्यात Enstean Institute for Indergrated Learning to management university sitetim & 215 affect gran -affect कि E-11-1-1 प्रथा अंक्षांभा की रिशमा मनाउन ने द्वारा आनाम धार करी है जी े हिंहा युनिवर्त्ता है हिंहा ने ना दश्मी खाम ने नी प्रकार की प्रकार के प्राची क्षाचा महारा प्राची का अहीं अन्ति भीति स्थाप करी भाग की. अभिने अनिवासीर अस्त का निवास के जिल्ला है। प्रकार अनिवासीर सिन्दा रात प्रकृति २००० में प्रकृति की प्रकृति की प्रकृति की प्रकृति की प्रकृति की प्रकृति की मा मिरा का दिवाना दिवान है तहा है। हो हो हो हो प्राप्त के देवा निवासी है। 5 इंडिंग देश निवास होसा प्राप्त के तहा है। हो हो होसा में प्राप्त है के की की का का का निवासी है। 3 विकास के निवास है कि कि कि का कि की प्राप्त के की की का का की की का का की की का की की का की की की की की की की U.G.C. यहा भाग्य १६ करी बारे अदिशा निया गांपा है। 7. सम्प्रित असर में U.G. E. द्वारा माल्या प्राध्य निश्ववीवाणारणें भी सुनि प्राप्त भूरें 8. इतिम विश्ववीवाणारणें द्वारा माल्या प्राध्य ने के को सिंहि किये र अनुक्रमीयका ने 238800 से 238900 के अधिकारिकार पार्टी के जा है। उन उभी द्वीं भी रीनी प्रश्व ने ।

9. समी राष्ट्रियों के R.T. I. Head office आयात साम्यु राष्ट्रिय नेपूर्णा आयी ग रियन कार्यो त्यों नी सुनी अद्भा करें।

10. उस आहेश की ट्यापा कादी अर्थन के रिजर्ने प्रक्रित विश्वनिष्णार्थि की मन्यता भी रहें कारने कार कार्य मार्थ है।

पोर-22 आहेर का 20F 751577:-

चपरोक्त सभी सूचनाए मुझे ाक पते पर पंजीकृत डाक रो प्रेषित कर दी जाएं। राजी शुनानों ८ रिहन्दी आधा में अधान करें। असामार अस्ति। धन्यवाद सहित ।

14-114 26-12-2013

ग्रांध व SPज्यनामा यवरीड प्रार्थी उपगण्डेल आहेलाद मूर्बि अक्टन अन्त्या हिंग

प्रभा अपिट पंचाम अपीतीय किन्तावी र् हिस्सी अंग्रेस निस्तित १५ श्रेट श्रेट्सिस I G FER 2014 आर्थ श्रेट्यार वह हिल्ही. जिया श्रीना अधिवातार अधिवतियम २००५ के तहते प्रयम अपीर / अभी से निर्दर् : - को रिडिंप फत सूच्या अस्पिकारी 92/87/AHA(APPEC)/2014 उशक्तियादम उन्ह अन्त्राकित oflylly. भार हे राइन्तार नह निक्ली महाद्य: - अहा अली अला श्रम्मा अपन करने का आवेदन निक्रीहर म्मीमा सहित विक्रास्त्री ठाका द्वारा अपहाटन के हिन्द्रम क्रांच की त्या अधिन कार्य क्मिलिस के के प्राचिम भारत सर्वकार नहीं देवली को 26-12-2013 को असि ह रिकार्षा था। लेकिन केरिन्यम पत् शुन्यता अस्विकारी सारा असे आज तक कोई भी थुनेंग छन्ता वही की गई। फलान के निन्म किन्न है कि मेरी इस पथा रापील की रापर करते हुए अमप अतिहिनीत करें। यहीं भेरी अमरे युन्ता निर्मात्रक व श्रीफारिकीय प्राण कर्नाई जारी । देखिन जिंते प्रत्या अधिकारी असे आजि हका शुम्पना वर देवे को कामण भी देशीया पार्व । स्तित्ते शहराः APRINO 03-09-2014 Pard of Ka क्षाक्ष्या के होते का महिला के क्षाक्षित के क्षाक्षित के का क्षाक्षित के कि का कि का कि का कि का कि का कि का कि अरीप एमार ठा, भी रवि प्रकाश छाम न पनारम समरीडंना 2 रिपर्ये व पार-22 मार्डर की 34205 2115 914 MIZANOSI द्यामा नगती। ित्य अक्तिमा रियमांग Pyx 136118